भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 375
जिसका उत्तर मंगलवार 18 जुलाई, 2017 को दिया जाना है

**एचएमटी का पुनरुद्धार**

**375. श्री प्रहलाद जोशी:**

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या हिन्दुस्तान मशीन टूल्स (एचएमटी) को बंद किया जा रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ख) क्या सरकार का विचार प्रतिष्ठित एचएमटी का पुनरूद्धार करने का है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**
**भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री**
**(श्री बाबुल सुप्रियो)**

**(क):** एचएमटी लिमिटेड, धारक कंपनी की पांच सहायक कंपनियां अर्थात् एचएमटी मशीन टूल्स लिमिटेड, एचएमटी वाचेज लिमिटेड, एचएमटी चिनार वाचेज लिमिटेड, एचएमटी बेयरिंग्स लिमिटेड और एचएमटी इंटरनेशनल लिमिटेड हैं। उपर्युक्त में से, 3 सहायक कंपनियों अर्थात् एचएमटी वाचेज लिमिटेड, एचएमटी चिनार वाचेज लिमिटेड और एचएमटी बेयरिंग्स लिमिटेड तथा एचएमटी लिमिटेड के ट्रैक्टर डिवीजन के कर्मचारियों को आकर्षक वीआरएस/वीएसएस के साथ बंद करने हेतु अनुमोदन दे दिया गया है। ये कंपनियां लंबे समय से रुग्ण थीं तथा अपने कर्मचारियों को वेतन और अन्य सांविधिक देयताओं का भुगतान करने की स्थिति में भी नहीं थीं। तथापि, इस कंपनी की अन्य सहायक कंपनियों अर्थात् एचएमटी मशीन टूल्स लिमिटेड और एचएमटी इंटरनेशनल लिमिटेड को बंद करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

**(ख) और (ग):** एचएमटी लिमिटेड अब अपनी मुख्य सहायक कंपनी एचएमटी मशीन टूल्स लिमिटेड, जिसकी इकाइयां बेंगलुरु, हैदराबाद, कलमश्शेरी, अजमेर ओर पिंजोर में हैं, के माध्यम से मशीन टूल्स के विनिर्माण के अपने मुख्य सक्षमता वाले क्षेत्र पर ध्यान केन्द्रित कर रही है। सरकार ने अपनी 'मेक इन इंडिया' पहल में एचएमटी मशीन टूल्स लिमिटेड के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निर्धारित की है। सरकार एचएमटी मशीन टूल्स लिमिटेड को उसके द्वारा निष्पादन में सुधार के लिए किए गए प्रयास में सहायता कर रही है।

*****